Semester 01: Paper– II Examination- 75	Project Work-25 Marks, Written	
पाण्डुलिपिविज्ञान (Manuscriptology)		
Unit 01:	पाण्डुलिपिविज्ञान **(Manuscriptology)** : Origin, Evolution of writing technology in India, the term Manuscript-Literary evidences-Indian sources-Foreign sources Special reference in Sanskrit literature - use of manuscripts, Kinds of manuscripts (Palm leaf, Paper, Birch Bark-*Bhurja Patra*, Metals and non metals), Writing instruments & Ink	20
Unit 02:	**लिपि विज्ञान एवं लेखन-पद्धति (Scripts & Writing Methods):** Brahmi script–other scripts-Scripts used for Sanskrit language-Form & Size, Techniques, Pagination–punctuation–abbreviations–Colophon–Illustrations-Decoration Correction-Scribe	20
Unit 03:	**संरक्षण एवं सूचीकरण (Preservation & Cataloguing)**: The need-causes of destruction-climatic conditions-environment-Remedies-Fumigation-Repairing, Card catalogue-Book form- Sheaf form- Descriptive catalogue-Catalogus Catalogorum	20
Unit 04:	**आलोचनात्मक सम्पादन (Critical Edition)** : Various readings–need of edition–Types of errors–Difference between edition and critical edition, Lower criticism– Genealogy of manuscripts–Emendation–Canons of critical editions	15

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. Introduction to Manuscriptology – R.S.Shivaganesha murthy, Sharada Publishing House , Delhi, 1996
2. Textual Criticism – Dr.S.M. Katre
3. The Methodology of Research in India by T.P.Ramachandran
4. Methodology in Indological Research, M.Srinarayana Murthy

14·12·2017

Head
Department of Sanskrit
Jamia Millia Islamia
New Delhi-110025

संस्कृत विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

M.A. in Sanskrit

पाठ्यक्रम विवरण

(Academic Year 2017-18 Onwards)

सेमेस्टर-01: प्रथम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	वैदिक वाङ्मय-ऋक्सूक्त, वैदिक व्याकरण एवं निरुक्त	
इकाई ०१:	**ऋक्संहिता :** अग्निमित्रावरुण (१.३५), रुद्र (१.११४), विष्णु (२.१५४), उषस् (३.६१), सवितृ (५.३८), सोम (९.८३), ज्ञान (१०.७१), धनान्नदान (१०.११७), हिरण्यगर्भ (१०.१२१), दुःस्वप्ननाशन (१०.१६४)	२०
इकाई ०२:	वैदिकव्याकरण: वैदिक सन्धि (आन्तरिक एवं बाह्य), शब्दरूप एवं धातुरूप, तुमर्थकप्रत्यय, त्वार्थक प्रत्यय, वैदिक स्वर एवं पदपाठ	२०
इकाई ०३:	निरुक्त : अध्याय-१	२०
इकाई ०४:	निरुक्त : अध्याय-२	१५

मूलग्रन्थ:

1. ऋकसूक्त संग्रह, हरिदास शास्त्री (सम्पा.), साहित्य भण्डार, मेरठ
2. ऋक्भाष्य संग्रह, देवराज चानना (सम्पा.), मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली, १९८३
3. ऋग्वेद संहिता, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, २०१३
4. निरुक्त-यास्क, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'(सम्पा.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

सहायकग्रन्थ:

1. वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, २००३
2. वैदिक व्याकरण, राम गोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. Nighantu and the Nirukta (Critically Edited with English Tr.), Lakshman Swaroop, MLBD, Delhi, 1967
4. Vedic Mythology (Vaidika Devashastra), AA Macdonell, MLBD, Delhi, 1962

सेमेस्टर-01: द्वितीय पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	साहित्यशास्त्र : साहित्यदर्पण	
इकाई ०१:	प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद : काव्यप्रयोजन, काव्यस्वरूप, काव्यलक्षण, गुणदोष स्वरूप, पदवाक्य लक्षण, शब्दशक्तियां	२०
इकाई ०२:	तृतीय परिच्छेद : रस-भाव निरूपण, नायक-नायिका विवेचन	२०
इकाई ०३:	चतुर्थ परिच्छेद : ध्वनिकाव्य, गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य, चित्रकाव्य	२०
इकाई ०४:	पञ्चम एवं षष्ठ परिच्छेद : व्यञ्जना वृत्ति व्यवस्थापन, दृश्य एवं श्रव्य काव्य निरूपण	१५

मूल ग्रन्थ:

1. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, शालिग्राम शास्त्री (व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, २००४
2. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, निरूपणविद्यालंकार (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ

4. वेदान्तसार-सदानन्द, राममूर्ति शर्मा (व्या.), ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, २००१

सहायकग्रन्थ:

1. भारतीय न्याय शास्त्र: एक अध्ययन, ब्रह्ममित्र अवस्थी, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, १९६७
2. History of Indian Philosophy, S.N. Das Gupta, MLBD, Delhi, 1975
3. Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, OUP, Delhi, 1990

सेमेस्टर-०२ : षष्ठ पत्र आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क

व्याकरण : लघुसिद्धान्तकौमुदी

इकाई ०१:	सुबन्त प्रकरण-अजन्तपुल्लिङ्ग से हलन्त नपुंसकलिङ्ग तक	२०
इकाई ०२:	**तिङन्त** (भ्वादयः, अदादयः, जुहोत्यादयः, तुदादयः)	२०
इकाई ०३:	**तिङन्त** (रुधादयः, तनादयः, क्र्यादयः, चुरादयः) **णिजन्त** (ण्यन्तप्रक्रिया, सन्नतप्रक्रिया, यङन्तप्रक्रिया, यङ्लुक्प्रक्रिया)	२०
इकाई ०४:	अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थकाः, चातुरर्थिकाः, शैषिकाः, स्त्रीप्रत्यय	१५

मूलग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री (व्या.), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

सहायक ग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भैमी व्याख्या (भाग-१-६), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
2. व्याकरण चन्द्रोदय (भाग १-३), चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी-प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, सत्यपाल सिंह, शिवालिक पब्लिकेशन्स, दिल्ली
4. The Laghusiddhantkaumudi of Varadaraja, Vol. 01 & 02, Kanshiram, MLBD, 2011

सेमेस्टर-०२: अष्टम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	संस्कृत साहित्य सर्वेक्षण	
इकाई ०१:	वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, पुराण	२०
इकाई ०२:	महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, नीतिकाव्य, स्तोत्रकाव्य	२०
इकाई ०३:	गद्य तथा चम्पू साहित्य	२०
इकाई ०४:	दृश्य काव्य : रूपक के भेद तथा प्रमुख संस्कृत नाटककार	१५

सहायकग्रन्थ सूची :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. M. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, Motilal Banarsidass, Delhi.
7. History of Sanskrit Literature, A.B. Keith, Motilal Banarsidass, Delhi
8. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, Motilal Banarsidass, Delhi
9. Maurice Winternitz, Indian Literature (Vol. I-III), Motilal Banarsidass, Delhi.

सेमेस्टर-०३: नवम	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	भाषाविज्ञान	
इकाई ०१:	भाषाविज्ञान का परिचय, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषाओं के वर्गीकरण में संस्कृत का स्थान	२०
इकाई ०२:	भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, मूल भारोपीय भाषा की विशेषताएँ और उनकी शाखाएँ, मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत का विकास, संस्कृत और तुलनात्मक भाषा विज्ञान	२०
इकाई ०३:	अवेस्ता एवं वैदिक संस्कृत की विशेषताएं एवं अन्तःसम्बन्ध, वैदिक संस्कृत-लौकिक संस्कृत-प्राकृतभाषाओं की विशेषताएं एवं उनका अन्तःसम्बन्ध	२०
इकाई ०४:	संस्कृत ध्वनियों का वर्गीकरण, संस्कृत के स्वनिम, संस्कृत के ध्वनिगुण, ध्वनिपरिवर्तन के कारण, प्रमुख ध्वनि नियम, संस्कृत की विभिन्न ध्वनियों का विकास, संस्कृत की पदरचना तथा वाक्य संरचना, शब्दशक्तियां तथा वाक्यार्थविषयक भारतीय सिद्धान्त, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं और उनके कारण	१५

सहायकग्रन्थसूची :

1. भाषाविज्ञान की भूमिका, आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषाविज्ञान-कपिल देव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी , किताब महल ,इलाहाबाद , १९९२
4. तुलनात्मक भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली,१९७४
5. भाषाविज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
6. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन ट्रस्ट ,वाराणसी
7. सामान्य भाषाविज्ञान, बाबुराम सक्सेना ,हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, उ.प्र.
8. Linguistic Introduction to Sanskrit, V.K. Ghosh, Sanskrit Pustak, Calcutta
9. An Introduction to Sanskrit Linguistics, M. Shreeman Narayan Moorthy, VK Publication, Delhi, 1984
10. Elements of Science of Language, Taraporewala, Calcutta University Press, Calcutta, 1962

सेमेस्टर-०३: दशम पत्र आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क

साहित्य : कादम्बरी

इकाई ०१:	कादम्बरी परिचय, उज्जयिनी वर्णन से अनपत्यता दुःख वर्णन तक- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	२०
इकाई ०२:	विलासवती वर्णन से इन्द्रायुध वर्णन तक- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	२०
इकाई ०३:	चन्द्रापीडविद्यानिर्गमन से मृगयावृत्तान्त तक- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	२०
इकाई ०४:	पत्रलेखा वर्णन से महाश्वेता वर्णन तक (शुकनाशोपदेश को छोडकर)- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	१५

मूलग्रन्थ:

1. कादम्बरी-बाणभट्ट, जयशंकर लाल त्रिपाठी (सम्पा. एवं व्या.), कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, १९९३
2. कादम्बरी-बाणभट्ट, धर्मेन्द्र नाथ शास्त्री, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ
3. Kadambari, PV Kane, Oriental Book Agency, Pune

सहायक ग्रन्थ :

1. कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन, वासुदेव शरण अग्रवाल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९७०
2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन, अमर नाथ पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, १९७४
3. कादम्बरी का काव्यशास्त्रीय अध्ययन, राजेश्वरी भट्ट, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर
4. Indroduction to the Study of Bana and his Kadambari, GV, Devasthali, Bombay
5. Ban, RD Karmakar, Karnatak University, Dharawad

सेमेस्टर-०६: नवम पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
	भारतीय वैज्ञानिक निधि	
इकाई ०१:	संस्कृत और मनोविज्ञान :भारतीय तत्व चिन्तन और मनोविज्ञान-भारतीय दार्शनिक एवं मनोवैज्ञानिक चिंतन धरा का प्रारम्भ ,सांख्यमनोविज्ञान, योगमनोविज्ञान ,न्याय-वैशेषिक दर्शन और मनोविज्ञान ,वेदांत दर्शन एवं मनोविज्ञान, जैन मनोविज्ञान, बौद्धमनोविज्ञान	२०
इकाई ०२:	इन्द्रियां और अंत:करण-चेतना-मानवशरीर (सूक्ष्म शरीर, मनोमय शरीर, कारण शरीर), इन्द्रियाँ (ज्ञानेन्द्रिय, कर्मेन्द्रिय, अंतःकरण), मन और प्राण, मन की अवस्थाएं, अनुभूतियाँ, वासना और संस्कार, चित्त और चित्तभूमियाँ (क्षिप्त, मूढावस्था, विक्षिप्त, एकाग्र, निरुद्ध), चित्तवृत्तियाँ, स्मृति, बुद्धि, अहंकार ज्ञान- ज्ञान की उत्पत्ति, प्रमा एवं अप्रमा योगांग एवं सिद्धियाँ-अष्टांगयोग (यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि)	२०
इकाई ०३:	वैदिक गणित- वैदिक गणित का इतिहास, वैदिक गणित के प्रमुख आचार्य स्वामी श्री भारतीकृष्णतीर्थ प्रतिपादित वैदिक गणित के सूत्र (सूत्र १-४)	२०
इकाई ०४:	वृक्ष आयुर्वेद – वराहमिहिर	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

१. सांख्यकारिका , ईश्वरकृष्ण
२. योगसूत्र ,पतंजलि
३. भारतीय मनोविज्ञान , डॉ श्रीमती लक्ष्मी शुक्ला ,ईस्टर्न बुक लिंकर्स ,दिल्ली,२००९.
४. महाभारत-भगवद्गीता , शांतिपर्व, गीताप्रेस, गोरखपुर

सेमेस्टर-०६: द्वादश पत्र	आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
भारतीय सामाजिक संस्थाएं एवं राजशास्त्र		
इकाई ०१:	भारतीय सामाजिक संस्थाएँ : परिभाषा एवं क्षेत्र, सामाजिक संस्थाएँ एवं धर्मशास्त्र साहित्य	२०
इकाई ०२:	वर्णव्यवस्था एवं जातिव्यवस्था, समाज में स्त्रियों की स्थिति, सामाजिक मूल्य	२०
इकाई ०३:	भारतीय राजतन्त्र : उत्पत्ति एवं विकास-वैदिककाल से बौद्धकाल पर्यन्त, कौटिल्य से महात्मा गाँधी पर्यन्त	२०
इकाई ०४:	भारतीय राजतन्त्र के प्रमुख विचारक एवं आधारभूत सिद्धान्त	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र-भाग-०१ (संस्कृत मूल), आर.पी. कांगले (सम्पा.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९९७
2. कौटिलीय अर्थशास्त्र-भाग-०१, उदयवीर शास्त्री (हिन्दी अनुवाद), मेहरचन्द्र लछमन दास, दिल्ली १९६८
3. बृहत्संहिता, बलदेवप्रसाद मिश्र (हिन्दी अनुवाद), खेमराज श्रीकृष्ण दास, दिल्ली १९८७
4. मनुस्मृति, रामेश्वर भट्ट (हिन्दी अनुवाद), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, २००३
5. याज्ञवल्क्यस्मृति (वीरमित्रोदय एवं मिताक्षरा टीका सहित), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, संवत, १९६८
6. शुक्रनीति, ब्रह्माशंकर मिश्र (हिन्दी अनुवाद), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
7. इन्द्रकृत गांधीगीता, राजहंस प्रकाशन, दिल्ली
8. प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाएं (पृष्ठ सं. १-२३), कैलाश चन्द्र जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, १९७६
9. जैन संस्कृत महाकाव्यों में भारतीय समाज (पृष्ठ सं. १-२५), मोहन चन्द, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, १९८९
10. धर्मशास्त्र का इतिहास (भाग-०१ खण्ड ०२), पी.वी. काणे, हिन्दी अनुवाद अर्जुन चौबे कश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
11. प्राचीन भारत का आर्थिक एवं सामाजिक इतिहास(पृष्ठ सं. २३-७२), शिवस्वरुप सहाय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २०१२
12. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद और भारतीय राजशास्त्र (पृष्ठ सं. २०४-२५८), शशि तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, २०१३
13. प्राचीन भारतीय राजनैतिक विचारक (पृष्ठ सं १४५-२५३), किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, १९८८
14. Teaching of Dharmashastra (pp 1-25), J.R. Gharpure, Lucknow University, Lucknow, 1956
15. Hindu Social Organisation(pp 257-283) , P.H. Prabhu, Popular Prakashan, Mumbai, 1998
16. State and Government in Ancient India (pp 1-25), A.S. Altekar, MLBD, Delhi, 1972

सेमेस्टर-०५: पञ्चदश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०),सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
संस्कृत पत्रकारिता		
इकाई ०१:	संस्कृत पत्रकारिता का उद्भव और विकास	२०
इकाई ०२:	सम्पादक और सम्पादन के सिद्धांत	२०
इकाई ०३:	आधुनिक संस्कृत पत्रकारिता: समस्या और समाधान	२०
इकाई ०४:	आकाशवाणी और दूरदर्शन में संस्कृत वार्ता	१५

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. पत्रकारितायाः परिचयः इतिहासश्च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
2. संस्कृतपत्रकारितायाः स्वरूपं महत्वं च, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली
3. संस्कृतपत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी